Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 28 □ अंक- 344 □ रायपुर, गुरुवार 8 जनवरी 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

राजनांदगांव जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप, परिसर खाली कराया गया

राजनांदगांव, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। जिला न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया है। ताजा जानकारी के अनुसार, धमकी मिलने के तुरंत बाद एहतियात के तौर पर पूरे कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया है। धमकी की खबर फैलते ही वकीलों, पक्षकारों और कोर्ट कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है।

वीपीएन से आया मैसेज

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। कोर्ट के मुख्य द्वारों को बंद कर आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है। सर्च ऑपरेशन जारी बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की तलाशी ले रही है। न्यायालय के कमरों, पार्किंग एरिया और संदिग्ध वस्तुओं की गहन जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमकी फोन कॉल के जरिए मिली है या किसी ईमेल/पत्र के माध्यम से। पुलिस की साइबर सेल टीम भी मामले की जांच में जुट गई है ताकि धमकी देने वाले का पता लगाया जा सके। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या किसी ने शरारत तो नहीं की है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। सर्च ऑपरेशन पूरा होने और सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही कोर्ट का कामकाज दोबारा शुरू किया जाएगा।

जंबूरी आयोजन का मामला पहुंचा हाईकोर्ट बृजमोहन अग्रवाल ने लगाई याचिका

रायपुर/बिलासपुर, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में 9 से 13 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी को लेकर विवाद और गहराता जा रहा है। इस मामले में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने खुद को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की राज्य परिषद का वैधानिक अध्यक्ष बताते हुए आयोजन को स्थगित करने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने इस संबंध में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की है।

हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि उन्हें अध्यक्ष पद से हटाने का प्रस्ताव असंवैधानिक और एकतरफा है। न तो उन्हें इस संबंध में कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही पक्ष रखने या सुनवाई का कोई अवसर दिया गया। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि वे सांसद होने के साथ-साथ परिषद के वैधानिक अध्यक्ष हैं और इसी हैसियत से उन्होंने 5 जनवरी को जंबूरी से संबंधित बैठक भी आयोजित की थी। हाईकोर्ट में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, पूरे विवाद के केंद्र में सांसद बृजमोहन अग्रवाल और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बीच स्काउट गाइड के अध्यक्ष पद को लेकर दावेदारी है। दोनों ही नेता स्वयं को अध्यक्ष बता रहे हैं, जिससे आयोजन की वैधता, अधिकार और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का आरोप है कि जंबूरी आयोजन में करीब 10 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई है, इसी कारण उन्होंने आयोजन को रद्द करने का निर्णय लिया। उनका कहना है कि यह आयोजन मूल रूप से नवा रायपुर में प्रस्तावित था, लेकिन बिना वैधानिक प्रक्रिया के इसे बालोद जिले में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने याचिका में यह भी कहा है कि वे लंबे समय से स्काउट गाइड के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं, इसके बावजूद उन्हें बिना जानकारी दिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और स्थान बदला जा रहा है।

गौरतलब है कि विवाद की शुरुआत 13 दिसंबर 2025 को उस आदेश से मानी जा रही है, जो स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के खेमे से मीडिया को जारी किया गया था। इस आदेश में उन्हें स्काउट्स एंड गाइड्स का पदेन अध्यक्ष बताया गया। इसके बाद से ही संगठन के भीतर अधिकार, जिम्मेदारी और फैसलों को लेकर अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई। इस बीच राज्य सरकार की ओर से जारी एक प्रेस नोट में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी अपने तय कार्यक्रम के अनुसार 9 से 13 जनवरी 2026 तक दुधली, जिला बालोद में आयोजित की जाएगी।

सरकार का कहना है कि आयोजन की सभी तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुरूप चल रही हैं। फिलहाल, मामला हाईकोर्ट पहुंचने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। अब सबकी नजर अदालत के फैसले पर टिकी है, जिससे यह स्पष्ट होगा कि स्काउट गाइड संगठन में वैधानिक अध्यक्ष कौन है और जंबूरी आयोजन का भविष्य क्या होगा।

राजनीतिक रसूख बचाने बृजमोहन को जाना पड़ रहा न्यायालय: विकास उपाध्याय

पूर्व संसदीय सचिव छाया सांसद रायपुर लोकसभा विकास उपाध्याय ने कहा कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल को स्काउट गाइड अध्यक्ष पद से हटाए जाने एवं अपनी राजनीतिक रसूख बचाने के लिए अपनी ही सरकार में न्यायालय की शरण लेना पड़ रहा है इस पूरे घटना क्रम को देखने से लगता है कि बृजमोहन अग्रवाल जी अपनी सरकार में पूरे तरीके से असहाय दिख रहे हैं जिस प्रकार से उनकी लगातार किसी ने किसी मांग को लेकर सरकार का जो रवैया रहता है उससे तो ऐसा लगता है कि बृजमोहन अग्रवाल जी शायद भारतीय जनता पार्टी के सांसद नहीं है बल्कि किसी विपक्षी दल से हैं। उपाध्याय ने कहा कि वरिष्ठ नेता एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी को स्काउट गाइड पद से हटाया जाना भारतीय जनता पार्टी के अंदर की अंतर कलह को दर्शाता है और यह बात मैं नहीं स्वयं बृजमोहन अग्रवाल जी कह रहे हैं, न्यायालय जाकर बृजमोहन अग्रवाल जी ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

ब्रेकिंग न्यूज

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट का सवाल- बिल्ली चूहों की दुश्मन तो क्या उन्हें ले आएं?

नई दिल्ली, 8 जनवरी (न्यूज चैनल)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर गुरुवार को फिर से सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा जानवरों से होने वाले खतरों और उन्हें नियंत्रित करने में नागरिक अधिकारियों की कथित कमियों को उजागर करने वाली याचिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। कुत्तों को अचानक हटाने से क्या होता है? चूहों की आबादी बढ़ जाती है। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं। उनकी इस दलील पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने टिप्पणी की, क्या इसका आपस में कोई संबंध है? हमें बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि वे चूहों की दुश्मन हैं। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमने गली के हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। उनके साथ नियमानुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।

डयूटी जाने निकले बाइक चालक को वाहन ने मारी ठोकर हुई मौत

धमतरी, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। अर्जुनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भानपुरी के पास वाहन की ठोकर से ड्यूटी जा रहे कंप्यूटर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही अर्जुनी पुलिस मौके पर पहुंची और ठोकर मारने वाले वाहन को जप्त कर लिया।

अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भानपुरी निवासी देवेंद्र साहू 37 वर्ष पिता जीवराखन साहू सुबह 9:40 बजे कलेक्ट्रेट ड्यूटी जाने के लिए अपने बाईक सीजी 05 एए 3830 में निकला था गांव के निकलते ही सामने से आ रही गाड़ी सीजी 05 एन 1896 ने ठोकर मार दी। गंभीर अवस्था में उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां पर 10:55 बजे डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि ठोकने वाला वाहन बाइक है जिसे मॉडिफाई करके ऑटो जैसा बनाया था और मंडई के लिए सामान लेकर जा रहा था। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।मृतक आदिम जाति कल्याण विभाग में कंप्यूटर के ऑपरेटर के पद पर पदस्थ था

मृतक का नेत्रदान

निधन मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने एक नेक कार्य किया है। तत्काल नेत्र विभाग को इसकी सूचना दी और नेत्रदान करवाया। ताकि उसके इस दुनिया में ना रहते हुए भी आंखों के माध्यम से कोई और को नेत्र प्राप्त हो सके। नेत्रदान में नोडल अधिकारी डॉ राजेश सूर्यवंशी, गुरुशरण साहू और उनकी टीम ने प्रक्रिया पूरी की।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आजकल सबको आंखें तरेर रहा है।

चुहिया- हां जी, क्या करे अब इसके बाद तो 'उम्र' राष्ट्रपति नहीं बनने देगी..!

सिद्धांत से समझौता न करने वालों की याद में स्वाभिमान पर्व : मोदी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (न्यूज चैनल)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर से जुड़े ऐतिहासिक क्षणों को याद किया। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम में मैंने भाग लिया था, जब 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया गया था। प्रधानमंत्री ने बताया कि 1951 का वह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में संपन्न हुआ था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल, केएम मुंशी सहित कई महान विभूतियों का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा। उन्होंने यह भी याद किया कि 2001 के कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और गृह मंत्री आडवाणी और अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए थे।

जल्द नक्सल मुक्त होगा बस्तर, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का बड़ा दावा

जगदलपुर, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा संक्षिप्त प्रवास पर जगदलपुर पहुंचे। जहां से वह बीजापुर जिले के कुटरू में तयशुदा कार्यक्रम के तहत रवाना हो गए। एयरपोर्ट में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर के वनोपज पूरे विश्व के पटल पर छा जाने को तैयार हैं। उन्होंने टोरा तेल और छिंद रस के गुड़ को लेकर अध्ययन पूरा होने वाला है। उन्होंने कहा कि नियत समय पर बस्तर से माओवाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बस्तर में पापाराव सहित कुछ गिनेचुने कमेटी मेंबर ही शेष हैं। यदि उन्होंने पुनर्वास नहीं किया तो सुरक्षाबलों के जवान के भुजाओं की ताकत का सामना करना पड़ेगा। जिसके बाद नया बस्तर दिखेगा जिसमें लोग खुलकर सांस ले सकेंगे।5

सौम्या चौरसिया को ईओडब्ल्यू शराब घोटाले में कर सकती है गिरफ्तार

रायपुर, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी रही सौम्या चौरसिया को ईडी के बाद अब ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी का डर सता रहा है। इसके चलते उन्होंने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। इस मामले में हाईकोर्ट की सुनवाई के बाद शासन ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा है। लिहाजा, अब गुरुवार को मामले की सुनवाई होगी। दरअसल, शराब घोटाले के केस में ईडी ने सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही ईओडब्ल्यू ने उन्हें प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए ईडी की स्पेशल बेंच में आवेदन प्रस्तुत किया है। इसके चलते अब सौम्या चौरसिया को इस केस में ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी का डर सताने लगा है। यही वजह है कि उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई है। सौम्या के वकील ने हर्षवर्धन परगनिहा ने कहा कि, ईडी की टीम ने राजनीतिक षडयंत्र के तहत इस केस की जांच की है। जिसके बाद सुनियोजित साजिश के तहत फंसाने के लिए मामले को ईओडब्ल्यू को सौंपा है।

राष्ट्रीय परिसंवाद में जीजीसीयू कुलपति ने आमंत्रित कथाकार का किया अपमान

बिलासपुर, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी (जीजीसीयू) एक बार फिर विवादों के घेरे में है. अबकी बार कुलपति ने राष्ट्रीय परिसंवाद में आए आमंत्रित कथाकार का भरी सभा में अपमान कर डाला. पूरा घटनाक्रम वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस पूरे वाकये को अकादमिक जगत में दुर्भाग्यपूर्ण बताया जा रहा है.

भरी सभा में कहा- आपको बुलाया किसने? निकलिए आप यहां से

दरअसल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित किया गया था. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल कर रहे थे. कार्यक्रम के दौरान कुलपति के संबोधन के समय नागपुर से आए वरिष्ठ कथाकार मनोज रूपड़ा सामने की सोफे पर बैठे थे. संबोधन के बीच कुलपति ने उनसे पूछ लिया कि भाई साहब, आप बोर तो नहीं हो रहे हैं? इस पर मनोज रूपड़ा ने जवाब दिया कि विषय पर बात करिए. यह बात कुलपति को नागवार गुजरी. इसके बाद कुलपति प्रो. चक्रवाल ने मंच से ही तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि मैं बिना मुद्दे की बात नहीं करता, लेकिन कुलपति से कैसे बात करते हैं, इसका विवेक आपको नहीं है. इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आपको बुलाया किसने है, और खरी-खोटी सुनाते हुए कार्यक्रम से चले जाने को कह दिया. साथ ही यह निर्देश भी दिया कि भविष्य में उन्हें दोबारा न बुलाया जाए. इस पूरे घटनाक्रम को अकादमिक जगत में दुर्भाग्यपूर्ण बताया जा रहा है.

4 राज्यों और केन्द्र शासित राज्यों में चुनाव

भूपेश बघेल सहित प्रभारी सचिन पायलट को बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर, 8 जनवरी (हाईवे चैनल)। विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने बड़ा सियासी दांव चल दिया है. चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनाव को लेकर पार्टी ने अपने सबसे भरोसेमंद और आक्रामक चेहरों को मैदान में उतार दिया है. छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट को मिली नई जिम्मेदारी सीधे-सीधे इस बात का संकेत है कि कांग्रेस अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि फुल अटैक मोड में चुनाव लड़ने जा रही है।

कांग्रेस नेतृत्व ने भूपेश बघेल को असम विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाकर साफ कर दिया है कि पार्टी इस बार आधी-अधूरी लड़ाई नहीं लड़ेगी. भूपेश बघेल को एक ऐसे नेता के तौर पर देखा जाता है, जिसने छत्तीसगढ़ में बीजेपी के मजबूत किले को ढहाकर सत्ता छीनी थी. अब वही मॉडल असम में दोहराने की तैयारी है. सियासी गलियारों में इसे बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस का सबसे बड़ा स्ट्राइक कार्ड माना जा रहा है।

वहीं सचिन पायलट को केरल विधानसभा चुनाव का पर्यवेक्षक बनाकर कांग्रेस ने ये भी जता दिया है कि पार्टी अब सिर्फ बयानबाज़ी नहीं, बल्कि ग्राउंड लेवल मैनेजमेंट पर फोकस कर रही है. संगठन को दौड़ाने और युवाओं में जोश भरने के लिए सचिन पायलट की पहचान एक एक्टिव फील्ड कमांडर की रही है। मतलब साफ है, केरल में अब चुनावी लड़ाई सिर्फ नारे की नहीं, मैनेजमेंट बनाम मशीनरी की होगी।

जिम्मेदारी मिलते ही भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा — असम में मिली इस जिम्मेदारी और भरोसे के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार; लड़ेंगे—जीतेंगे! सियासी जानकार इसे सिर्फ पोस्ट नहीं, बल्कि बीजेपी के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा मान रहे हैं। भूपेश बघेल और सचिन पायलट को मिली बड़ी जिम्मेदारी ये साफ कर रही है कि अब छत्तीसगढ़ सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि कांग्रेस की राष्ट्रीय चुनावी रणनीति का पावर सेंटर बनता जा रहा है. एक तरफ भूपेश अनुभव और आक्रामक राजनीति का चेहरा, दूसरी तरफ पायलट मैनेजमेंट और मोबलाइजेशन का हथियार. कांग्रेस ने साफ कर दिया है: 2026 की लड़ाई अब आर-पार की है। साल 2026 में देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं।